Daily Current Affairs

Date : 11 June, 2026

CIVIL SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	क्रिटिकल मिनरल के एक्सप्लोरेशन हेतु RSMET और IIT धनबाद के बीच समझौता
2.	संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (अकादमी रत्न) और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार
3.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. मिस डेजर्ट राजस्थान – 2026 2. राजस्थान सीनियर फुट्सल लीग : गंगानगर सिटी FC विजेता 3. प्रभात गोस्वामी : 'सरोज कुमारी केदारनाथ माहेश्वरी हिंदी भाषा व्यंग्य पुरस्कार' 4. सिद्धांत कुमार 5. 43वीं राजस्थान राज्य जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता 6. मानव सुथार 7. ऑपरेशन जमुहार 8. राष्ट्रीय राजमार्ग -62
4.	LPMS - विनिमय प्रणाली
5.	डॉ. सुभाष सी. कश्यप
6.	'व्हेन ऑडिट मैटर्स' पुस्तक
7.	22वीं एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2026
8.	सेप्लिंग डायलॉग, 2026
9.	बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली
10.	भारत के प्रधानमंत्री
11.	कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री: डी.के. शिवकुमार
12.	VB-G RAM G
13.	डेनमार्क की नई प्रधानमंत्री: मेटे फ्रेडरिक्सन
14.	कैंसर की नैनोमेडिसिन

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

राजस्थान परिदृश्य

क्रिटिकल मिनरल के एक्सप्लोरेशन हेतु RSMET और IIT धनबाद के बीच समझौता

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट (RSMET) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) धनबाद के बीच राज्य में माइनिंग वेस्ट से क्रिटिकल और रणनीतिक खनिजों को खोजने और निकालने के लिए समझौता सम्पन्न हुआ।

मुख्य बिन्दु:

- यह पहल नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन (NCMM) के तहत शुरू की गई है।
- इस प्रोजेक्ट का प्राथमिक उद्देश्य राजस्थान की खदानों के मलबे और अपशिष्ट में छिपे मूल्यवान खनिजों की पहचान करना है।
- इस समझौते के अंतर्गत खान विभाग द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 78 डम्प्स चिह्नित कर 10-10 डम्प्स का कलस्टर बनाए गए।
- खान विभाग द्वारा उदयपुर, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, प्रतापगढ़, सलूंबर, ऋषभदेव, अजमेर, ब्यावर, सावर, नागौर, सिरोही, जोधपुर, बालेसर, सोजत सिटी और जालौर में अलग-अलग खनिजों के ढेर चिह्नित किए जा चुके हैं।
- उल्लेखनीय है कि हाल ही में राजस्थान में पिंक मार्बल और ग्रीन मार्बल के अपशिष्ट के अध्ययन में निकेल, कोबाल्ट, क्रोमियम और गैलियम जैसे क्रिटिकल मिनरल्स की गुणवत्तापूर्ण मात्रा के संकेत मिले हैं। इन मिनरल्स से रक्षा, ग्रीन एनर्जी, एयरोस्पेस और एयरोनॉटिकल उद्योगों की आवश्यकता की पूर्ति हो सकेगी।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन (NCMM) :** NCMM केन्द्रीय खान मंत्रालय द्वारा देश की खनिज सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा ट्रांजिशन को सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई एक रणनीतिक पहल है।
- केंद्रीय बजट 2024-25 में घोषणा के बाद, जनवरी, 2025 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस मिशन को आधिकारिक मंजूरी दी थी।
- **मिशन की अवधि :** जनवरी, 2025 से सात वर्षों के लिए।
- **कुल परिव्यय :** ₹34,300 करोड़।
- **मिशन का उद्देश्य :** भारत में स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और रणनीतिक क्षेत्रों के लिए आवश्यक खनिजों (जैसे - लिथियम, कोबाल्ट) की निरंतर आपूर्ति और घरेलू आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राजस्थान स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट (RSMET)

- **गठन :** वर्ष 2020 में।
- **उद्देश्य :** राजस्थान में उपलब्ध खनिज भण्डारों की वैज्ञानिक तरीके से खोज व खनन में आधुनिक तकनीक का उपयोग, अनुसंधान, शोध, कौशल विकास व राजस्व बढ़ोतरी सहित इससे जुड़ी गतिविधियों का बेहतर संचालन और मोनेटरिंग करना।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (अकादमी रत्न) और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, नई दिल्ली स्थित संगीत नाटक अकादमी ने वर्ष 2024 और 2025 के लिए 7 संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (अकादमी रत्न), 108 संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार तथा 106 'उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार' की घोषणा की।

मुख्य बिन्दु:

- संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (अकादमी रत्न) और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय के तहत स्वायत्त संस्था 'संगीत नाटक अकादमी' द्वारा प्रदर्शन कला (Performing Arts) के क्षेत्र में दिए जाने वाले देश के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान हैं।

राजस्थान के सम्मानित कलाकार :

क्रम	सम्मान का नाम	कलाकार का नाम	क्षेत्र
1.	संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार - 2024	गुलाबो सपेरा	लोक नृत्य (कालबेलिया)
2.	उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार - 2024	मंजूर खान मांगणियार	लोक संगीत
3.	उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार – 2025	अकरम खान बहरूपिया	लोक नृत्य

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

✂️ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**मिस डेजर्ट राजस्थान - 2026** ▪ हाल ही में, जयपुर में 'मिस डेजर्ट राजस्थान – 2026' का ग्रैंड फिनाले आयोजित किया गया। ▪ **मिस डेजर्ट राजस्थान - 2026 का ताज :** पूनम कुमावत। ▪ **मिस मूमल - 2026 का ताज :** कुसुम पंवार।
2.	**राजस्थान सीनियर फुट्सल लीग : गंगानगर सिटी FC विजेता** ▪ राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वावधान में श्रीगंगानगर में आयोजित प्रथम राजस्थान सीनियर फुट्सल लीग का फाइनल गंगानगर सिटी FC ने जीता। ▪ खिताबी मुकाबले में गंगानगर सिटी FC ने जिंक फुटबॉल एकेडमी, उदयपुर को 3-2 से हराया। ▪ **सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी :** मनीष मील (जिंक फुटबॉल अकादमी)
3.	**प्रभात गोस्वामी : 'सरोज कुमारी केदारनाथ माहेश्वरी हिंदी भाषा व्यंग्य पुरस्कार'** ▪ जयपुर के प्रभात गोस्वामी को 'सरोज कुमारी केदारनाथ माहेश्वरी हिंदी भाषा व्यंग्य पुरस्कार' से सम्मानित किया जाएगा। ▪ यह पुरस्कार उत्तर भारत की प्रतिष्ठित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'श्री हिंदी पुस्तकालय' (डीग) द्वारा प्रदान किया जाता है।
4.	**सिद्धांत कुमार** ▪ जयपुर के पैरा तैराक सिद्धांत कुमार ने बेंगलुरु में आयोजित 26वीं जूनियर और सब-जूनियर नेशनल पैरा-तैराकी चैम्पियनशिप में तीन मेडल जीते। ▪ **रजत पदक :** 100 मीटर बैक स्ट्रोक में। ▪ **दो कांस्य पदक :** 200 मीटर इंडिविजुअल और 100 मीटर बटरफ्लाई में ब्रॉन्ज मेडल।

5.	**43वीं राजस्थान राज्य जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता** ■ **आयोजन :** 6 से 9 जून, 2026 तक लालगढ़ जाटान (श्री गंगानगर) में। ■ **विजेता :** बालक वर्ग में श्री गंगानगर और बालिका वर्ग में जयपुर। ■ बालक वर्ग के फाइनल में श्रीगंगानगर ने ज्ञान ज्योति हैंडबॉल अकादमी को 28-21 से हराया, जबकि बालिका वर्ग के खिताबी मुकाबले में जयपुर ने हनुमानगढ़ को 20-17 से हराया। ■ **आयोजक :** राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के तत्वावधान में जिला हैंडबॉल संघ, श्रीगंगानगर द्वारा।
6.	**मानव सुथार** ■ हाल ही में, राजस्थान के श्री गंगानगर निवासी स्पिनर मानव सुथार को वॉरविकशायर ने काउंटी क्रिकेट चैंपियनशिप के अगले दो राउंड के लिए साइन किया।
7.	**ऑपरेशन जमुहार** ■ हाल ही में, राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) द्वारा मादक पदार्थों (ड्रग्स) की तस्करी के खिलाफ 'ऑपरेशन जमुहार' चलाया गया, जो अब तक का सबसे बड़ा गुप्त महा-अभियान है। ■ पाँच राज्यों में फैले मादक पदार्थों (ड्रग्स) के नेटवर्क को ध्वस्त करने वाले इस मेगा ऑपरेशन का नामकरण (ज-मु-हा-र) इन राज्यों के शुरुआती अक्षरों को मिलाकर किया गया। ◆ ज – जम्मू और कश्मीर। ◆ म – मणिपुर। ◆ उ - उत्तर प्रदेश। ◆ हा – हरियाणा। ◆ र – राजस्थान। ■ 'जमुहार' का शाब्दिक अर्थ मुख्य फसल को नुकसान पहुंचाने वाली 'जहरीली घास' होता है।
8.	**राष्ट्रीय राजमार्ग -62** ■ हाल ही में, केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने नागौर-बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-62) के फोरलेन निर्माण कार्य को स्वीकृति प्रदान की। ■ इस परियोजना को लगभग ₹1359.33 करोड़ की लागत से विकसित किया जाएगा। ■ राष्ट्रीय राजमार्ग - 62 (NH-62) एक प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग है, जो पंजाब के अबोहर को राजस्थान के पिंडवाड़ा को आपस में जोड़ता है।

राष्ट्रीय परिदृश्य

LPMS - विनिमय प्रणाली

[स्रोत: PIB]

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय गृह मंत्री ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'विनिमय' नामक उन्नत भूमि बंदरगाह प्रबंधन प्रणाली (LPMS) प्लेटफॉर्म का उद्घाटन किया।

मुख्य बिन्दु:

LPMS – विनिमय प्रणाली:

- 'विनिमय' एक केंद्रीकृत, वास्तविक समय का इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म है जिसे भारत के अंतरराष्ट्रीय भूमि बंदरगाहों पर संचालन के लिए एक एकल इलेक्ट्रॉनिक विंडो के रूप में कार्य करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह कार्गो ट्रैकिंग, यात्री लॉग और वाहन प्रसंस्करण को एकीकृत करके भूमि सीमा सुरक्षा और व्यापारिक बुनियादी ढांचे को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर पहले से ही संचालित आधुनिक, स्वचालित नेटवर्क के बराबर लाता है।
- **विकासकर्ता और रणनीति:** यह पोर्टल गृह मंत्रालय के प्रशासनिक मार्गदर्शन में भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण (LPAI) द्वारा विकसित किया गया है ।

उद्देश्य:

- विनिमय प्रणाली का उद्देश्य उन गंभीर रसद संबंधी बाधाओं और कागजी कार्रवाई से भरी कार्यप्रणालियों को समाप्त करना है जो जमीनी व्यापार में देरी का कारण बनती हैं।
- एक ही इंटरफेस पर राष्ट्रीय नियामक और सुरक्षा डेटाबेस को निर्बाध रूप से जोड़कर, इसका उद्देश्य भौतिक सीमाओं को सुरक्षित करना, अनधिकृत घुसपैठ को रोकना, परिचालन लागत को कम करना और विकसित भारत@2047 की परिकल्पना के अनुरूप क्षेत्रीय सीमा पार वाणिज्य को महत्त्वपूर्ण रूप से बढ़ाना है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

डॉ. सुभाष सी. कश्यप

[स्रोत: PIB और AIR]

मुख्य बिन्दु:

- हाल ही में, लोकसभा के पूर्व महासचिव और संविधान विशेषज्ञ सुभाष सी. कश्यप का निधन हो गया।
- उन्होंने 100 से अधिक पुस्तकों के लेखन का काम पूरा किया। वे 1983 से 1990 तक लोकसभा के महासचिव रहे।

'व्हेन ऑडिट मैटर्स' पुस्तक

[स्रोत: PIB और AIR]

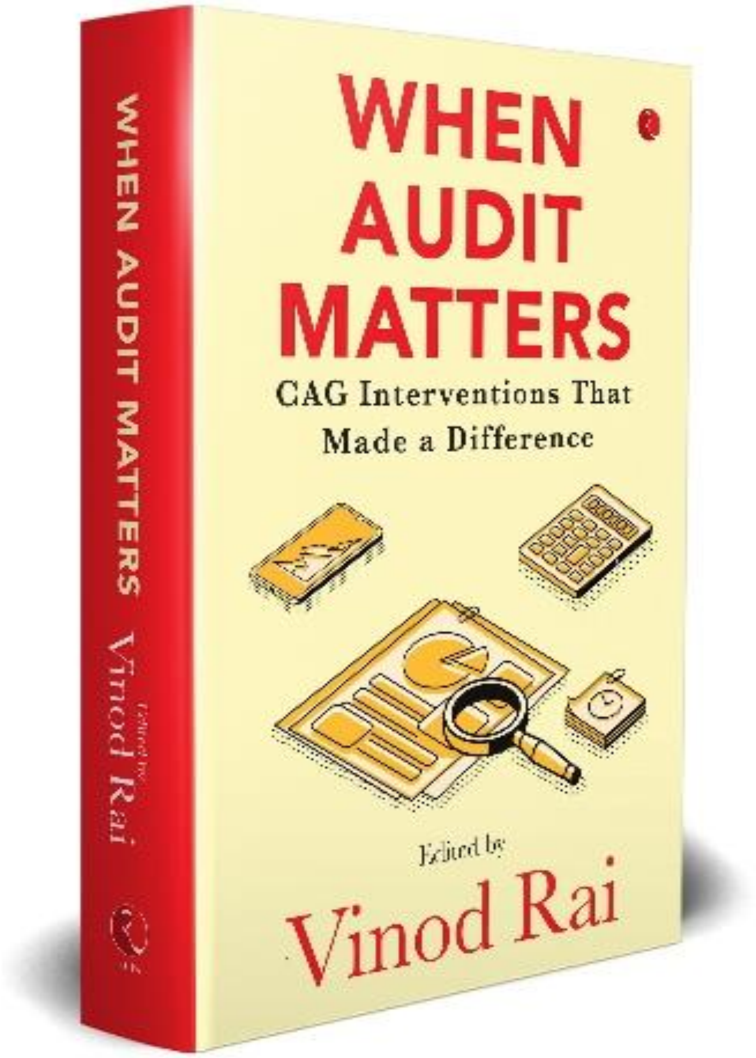

मुख्य बिन्दु:

- उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में भारत के पूर्व नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक विनोद राय द्वारा संपादित पुस्तक "व्हेन ऑडिट मैटर्स: सीएजी इंटरवेंशन्स दैट मेड ए डिफरेंस" का विमोचन किया।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

22वीं एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2026

[स्रोत: AIR और एशियन एथलेटिक्स]

चर्चा में क्यों?

- हांगकांग में आयोजित 22वीं एशियन अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2026 में भारत ने कुल 19 पदक (10 स्वर्ण, 5 रजत और 4 कांस्य पदक) के साथ पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया।

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** यह प्रतियोगिता विश्व U-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2026 (**आयोजन:** 5 से 9 अगस्त, 2026 तक अमेरिका में) के लिए एक क्वॉलिफ़ाइंग इवेंट थी।
- **इतिहास:** इस प्रतियोगिता की शुरुआत वर्ष 1986 में एशियाई जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के रूप में हुई थी। इससे पहले भारत केवल दो बार वर्ष 1992 और वर्ष 1996 में दूसरे स्थान पर रहा था, जब यह चैंपियनशिप नई दिल्ली में आयोजित की गई थी।
- **आयोजन:** 20 से 31 मई, 2026 तक हांगकांग, चीन में आयोजित की गई।

- **पदक तालिका:**

एशियाई U-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2026 पदक तालिका					
रैंक	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1	चीन	14	9	2	25
2.	भारत	10	5	4	19
3.	जापान	5	5	8	18
4	संयुक्त अरब अमीरात	5	0	1	6

- **भारतीय दल:** कुल 48 भारतीय एथलीट (30 पुरुष और 18 महिलाएँ)।
- **भारत के पदक विजेता:**

स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
नितिन गुप्ता, पुरुषों की 5000m रेस वॉक	साधना रवि, महिलाओं की ट्रिपल जंप	निपम, महिलाओं की 100m
अमानत कंबोज, महिलाओं की डिस्कस थ्रो	उपकार, डेकाथलॉन	नीरू पाठक, महिलाओं की 400m
राहुल जाखड़, डेकाथलॉन	जितिन अर्जुनान, पुरुषों की लॉन्ग जंप	आरती, महिलाओं की 200m
पूजा सिंह, महिलाओं की हाई जंप	निश्चय, पुरुषों की डिस्कस थ्रो	टीम इंडिया, पुरुषों की 4x400m रिले
निखिल चंद्रशेखर, पुरुषों की 3000m स्टीपलचेज़	टीम इंडिया, महिलाओं की 4x100m रिले	
शाहनवाज़ खान, पुरुषों की लॉन्ग जंप बसंत, पुरुषों की हाई जंप मुस्कान, महिलाओं की 5000m मोगली वेंकटरम, पुरुषों की 800m टीम इंडिया, महिलाओं की 4x400m रिले		

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

आर्थिक घटनाक्रम

सेप्लिंग डायलॉग, 2026

[स्रोत: PIB]

चर्चा में क्यों?

- भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय और विश्व बैंक समूह द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय क्षेत्रीय उच्च-स्तरीय नीति संवाद "सेप्लिंग (बेहतर पोषण और विकास के लिए दक्षिण एशियाई नीति नेतृत्व) संवाद 2026" का सफलतापूर्वक समापन 10 जून, 2026 को गुजरात के अहमदाबाद में हुआ।
- विश्व बैंक समूह के अनुसार खाद्य प्रणाली में बदलाव के माध्यम से दक्षिण एशिया लाखों रोजगार और अरबों डॉलर के निवेश के अवसर सृजित कर सकता है।

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन:** भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने विश्व बैंक समूह के नेतृत्व वाली सैप्लिंग पहल के सहयोग से 9-10 जून, 2026 तक अहमदाबाद, गुजरात में किया गया।
- **संवाद का विषय:** "वैल्यू अनलॉक करना: दक्षिण एशिया में रोजगार सृजन और सतत विकास के लिए खाद्य प्रसंस्करण को आगे बढ़ाना"।

दक्षिण एशिया का कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र:

- इस क्षेत्र के कृषि क्षेत्र का वार्षिक मूल्य 700 अरब डॉलर से अधिक है और यह लगभग 43 प्रतिशत कार्यबल को रोजगार प्रदान करता है। हालांकि, अपने विशाल आकार के बावजूद, कृषि इस क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में केवल 16 प्रतिशत का योगदान देती है।
- दक्षिण एशिया में उत्पादित भोजन का 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सा हर वर्ष बर्बाद हो जाता है जबकि यह लगभग 30 करोड़ लोगों की उदरपूर्ति के लिए पर्याप्त है।
- कृषि परिवर्तन का अगला चरण केवल उत्पादन बढ़ाने में ही नहीं, बल्कि खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण, रसद, विपणन और मूल्यवर्धन के विस्तार में भी निहित है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

भारत का खाद्यान्न उत्पादन:

- **उत्पादन:** भारत में खाद्यान्न उत्पादन वर्ष 1950-51 में 51 मिलियन टन से बढ़कर 330 मिलियन टन से अधिक हो गया है।
- **निर्यात:** पिछले दशक में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का निर्यात भी दोगुने से अधिक हो गया है, जो लगभग 4.9 बिलियन डॉलर से बढ़कर 10 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है।
- **विनिर्माण मूल्यवर्धन:** खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र वर्तमान में विनिर्माण मूल्यवर्धन में लगभग 9 प्रतिशत और भारत के निर्यात में लगभग 13 प्रतिशत का योगदान देता है।

एग्रीकनेक्ट:

- एग्रीकनेक्ट, एक वैश्विक मंच, बुनियादी ढांचे में निवेश, नीतिगत सुधारों और निजी पूंजी जुटाने के माध्यम से वर्ष 2030 तक 3 करोड़ किसानों को बाजारों से जोड़ने का लक्ष्य रखता है।
- यह पहल पहले से ही भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका सहित कई देशों में परियोजनाओं और सुधारों का समर्थन कर रही है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली

[स्रोत: THE HINDU]

चर्चा में क्यों?

- रक्षा मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश के सीतापुर में बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के साथ 250 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना की स्थापना को मंजूरी दे दी है।

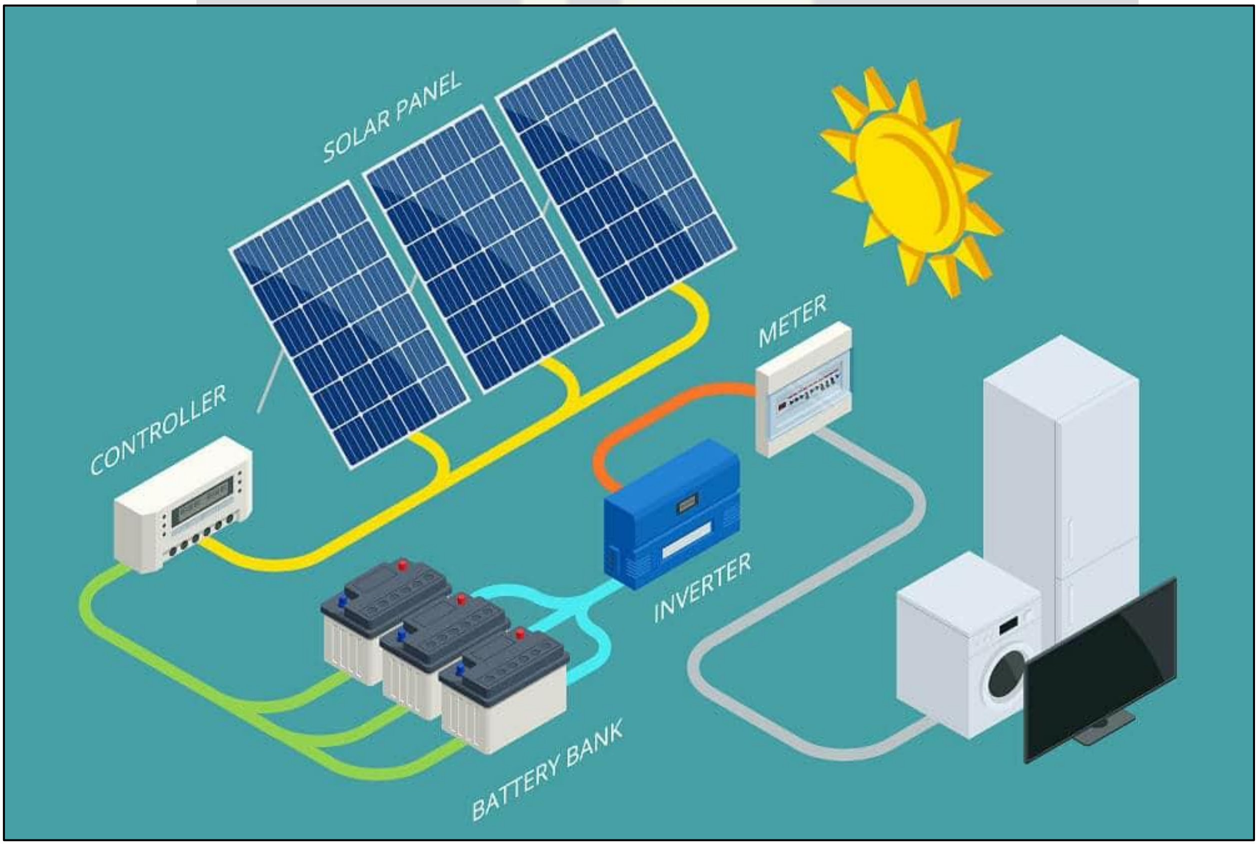

मुख्य बिन्दु:

बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली

- बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम एक ऐसी तकनीक को संदर्भित करता है जो विद्युत ऊर्जा को बाद में उपयोग के लिए रिचार्जेबल बैटरियों में संग्रहित करती है।
- यह सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों से उत्पन्न अतिरिक्त बिजली को संग्रहित करके बिजली की मांग और आपूर्ति को संतुलित करने में मदद करता है।

- BESS ग्रिड की स्थिरता में सुधार करता है, बिजली के उतार-चढ़ाव को कम करता है और चरम भार प्रबंधन में सहायता करता है। यह दूरस्थ क्षेत्रों में ऊर्जा की उपलब्धता को भी बढ़ाता है और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करता है।

प्रमुख भंडारण प्रौद्योगिकियाँ

विद्युत रासायनिक (बैटरी आधारित):

- **लिथियम-आयन:** विश्व स्तर पर सबसे व्यापक रूप से तैनात, ऊर्जा घनत्व 150 से 300 Wh/kg, राउंड-ट्रिप दक्षता 90 से 95%, इलेक्ट्रिक वाहनों और ग्रिड-स्केल स्टोरेज में उपयोग किया जाता है, लेकिन आयातित लिथियम और कोबाल्ट पर निर्भर है।
- **लिथियम आयरन फॉस्फेट (एलएफपी):** अधिक सुरक्षित, सस्ता, लंबा जीवन चक्र, उपयोगिता-स्तरीय बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों और इलेक्ट्रिक बसों के लिए तेजी से पसंदीदा विकल्प।
- **सोडियम-आयन:** प्रचुर मात्रा में घरेलू सोडियम, कम लागत और भू-राजनीतिक निर्भरता में कमी। सीमित घरेलू लिथियम भंडार को देखते हुए भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण।
- **सॉलिड-स्टेट:** ठोस इलेक्ट्रोलाइट, उच्च घनत्व और बेहतर सुरक्षा के साथ अगली पीढ़ी की तकनीक। फिर भी, इसकी लागत अधिक है और विस्तार की क्षमता सीमित है।
- **फ्लो बैटरी (वैनेडियम रेडॉक्स, जिंक ब्रोमीन):** लंबी अवधि का भंडारण, न्यूनतम क्षरण, उपयोगिता-स्तरीय नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण के लिए उपयुक्त।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था

भारत के प्रधानमंत्री

[स्रोत: the Hindu]

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार चुनावी जनादेश के माध्यम से पद पर बने रहने वाले भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री के रूप में जवाहरलाल नेहरू को पीछे छोड़ दिया है।

मुख्य बिन्दु:

- अन्य भारतीय प्रधानमंत्रियों और उनके कार्यकाल:

प्रधान मंत्री	युग	ऐतिहासिक संदर्भ	कार्यालय में लगातार दिनों की संख्या
नरेंद्र मोदी	लगातार 3 कार्यकाल (26 मई, 2014 – वर्तमान)	उन्होंने 2026 में केंद्रीय शासन के 12 वर्ष पूरे किए। वे स्वतंत्रता के बाद जन्मे पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने इस पद को संभाला है और सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री हैं।	4,399 दिन (10 जून, 2026 तक)

जवाहरलाल नेहरू	चुनाव के बाद के 3 कार्यकाल (13 मई, 1952 - 27 मई, 1964)	भारत के पहले आम चुनाव के बाद से लगातार रिकॉर्ड कायम रखने का रिकॉर्ड इसी संगठन के पास था। उनका कुल कार्यकाल 6,131 दिनों का था, लेकिन इसमें 1952 से पहले का उनका अंतरिम, गैर-निर्वाचित प्रशासन भी शामिल है।	4,398 दिन
इंदिरा गांधी	अटूट प्रारंभिक युग (जनवरी 24, 1966 - मार्च 24, 1977)	उन्होंने 1960 के दशक के उत्तरार्ध और 1970 के दशक में लगातार सेवा की, इससे पहले कि उनकी पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। बाद में वे 1980 से 1984 तक एक अलग कार्यकाल के लिए वापस लौटीं।	4,077 दिन

भारत के प्रधानमंत्री

- **संवैधानिक स्थिति (अनुच्छेद 75):** प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और वह संघ सरकार के प्रमुख के रूप में कार्य करता है, और वास्तविक कार्यकारी अधिकार का प्रयोग करता है।
- **मंत्रिपरिषद के नेता (अनुच्छेद 74):** प्रधानमंत्री मंत्रिपरिषद का नेतृत्व करते हैं, जो राष्ट्रपति को संवैधानिक कार्यों के निष्पादन में सहायता और सलाह प्रदान करती है।
- **भूमिका:** प्रधानमंत्री राष्ट्रपति और मंत्रिपरिषद के बीच मुख्य कड़ी के रूप में कार्य करते हैं, मंत्रिमंडल के निर्णयों को राष्ट्रपति तक पहुँचाते हैं और नियुक्तियों, संसद के सत्र बुलाने और लोकसभा के विघटन जैसे मामलों पर राष्ट्रपति को सलाह देते हैं।
- **प्रमुख निकायों के प्रमुख:** प्रधानमंत्री कई प्रमुख संस्थानों और परिषदों की अध्यक्षता करते हैं, जिनमें नीति आयोग, राष्ट्रीय एकता परिषद और अंतर-राज्य परिषद शामिल हैं।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री: डी.के. शिवकुमार

[स्रोत: PIB, AIR और TIE]

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस विधायक दल (CLP) की चुनाव जीत के बाद डी.के. शिवकुमार ने कर्नाटक के नए 25वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की।

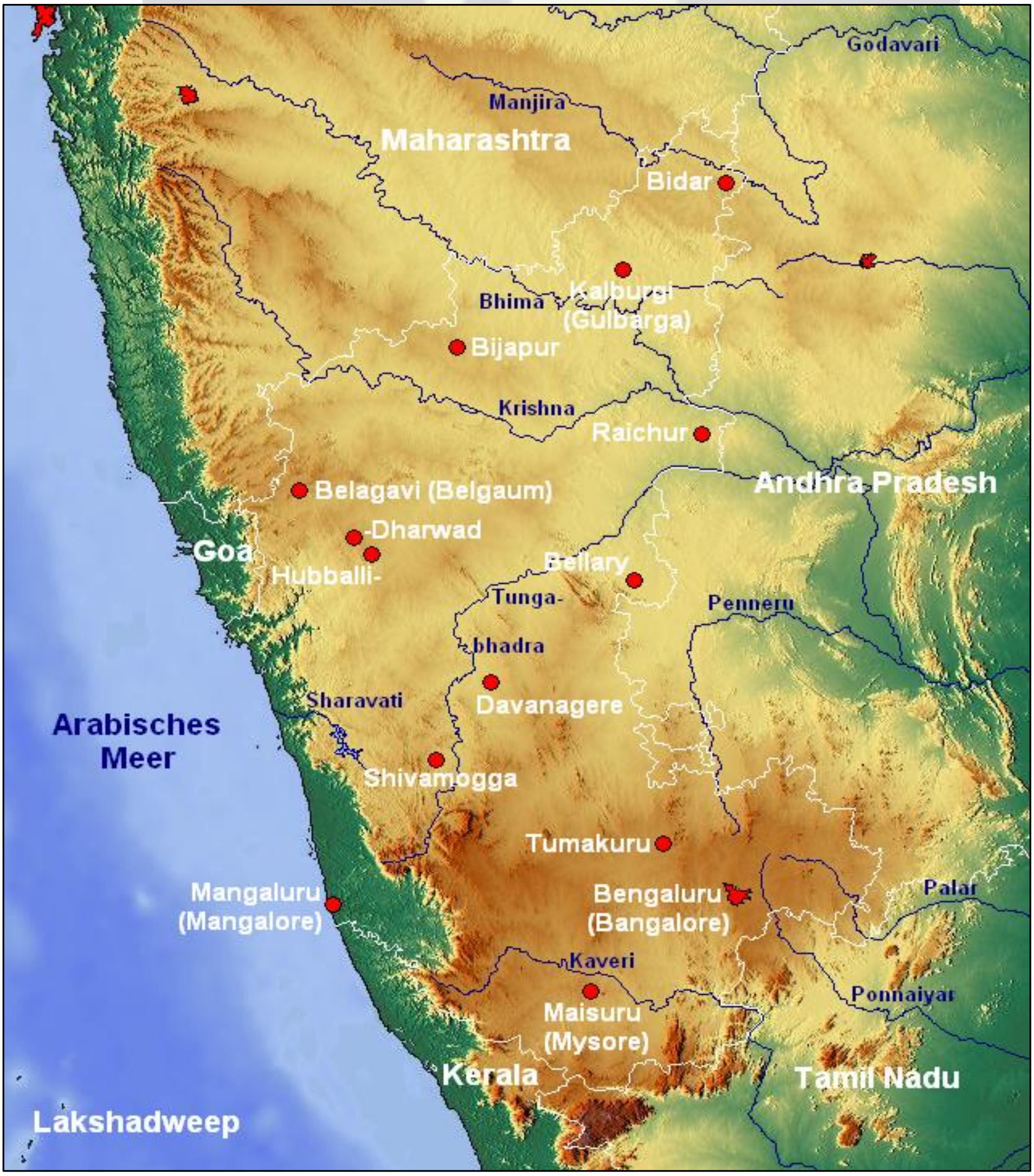

मुख्य बिन्दु:

- **नियुक्ति:** संविधान के अनुच्छेद-164 के अनुसार मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाएगी।
- **शपथ:** राज्यपाल थावरचंद गहलोत।
- शिवकुमार, इससे पूर्व कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे।
- **उपमुख्यमंत्री:** सिद्धारमैया मंत्रिमंडल में गृह मंत्रालय संभाल चुके डॉ. जी परमेश्वर ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।
- **परिवर्तन:** यह कदम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के भीतर व्यापक नेतृत्व पुनर्गठन के बाद उठाया गया है, जिसमें वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है।
- **वित्तीय प्रोफ़ाइल:** वर्ष 2023 के चुनाव में दिए गए उनके शपथपत्र के अनुसार, उनकी संपत्ति 1,400 करोड़ रुपये से अधिक है और वह भारत के सबसे धनी मुख्यमंत्रियों में से एक हैं।

UTKARSH CIVIL SERVICES

योजनाएँ एवं नीतियाँ

VB-G RAM G

[स्रोत: AIR]

चर्चा में क्यों?

- सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को MNREGA से विकसित भारत-रोजगार गारंटी और आजीविका मिशन ग्रामीण (VB-G RAM G) में सुचारू परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए 95,692 करोड़ रुपये के अंतरिम बजट आवंटन का प्रस्ताव रखा है।

मुख्य बिन्दु:

VB-G RAM G

- यह महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 का स्थान लेगा ।
- यह कदम "मांग-आधारित ढांचे" से "आपूर्ति-आधारित योजना" की ओर एक बदलाव का प्रतीक होगा।

- **आजीविका गारंटी में सुधार:** यह प्रत्येक वित्तीय वर्ष में ग्रामीण परिवारों के लिए वैधानिक मजदूरी रोजगार गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर देगा, उन वयस्कों के लिए जो स्वेच्छा से अकुशल शारीरिक श्रम करने के लिए आगे आते हैं।
- **केंद्र प्रायोजित योजना:** यह योजना केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में लागू की जाएगी, जिसमें उत्तर-पूर्वी और हिमालयी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 90:10 और अन्य सभी राज्यों के लिए 60:40 का साझाकरण पैटर्न होगा ।
- राज्यों को मानक आवंटन के आधार पर: राज्य, पंचायतों की श्रेणी और स्थानीय विकास आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, जिलों और ग्राम पंचायतों में निधियों का पारदर्शी और आवश्यकता-आधारित अंतर-राज्यीय वितरण सुनिश्चित करेंगे।
- **बेरोजगारी भत्ता:** यदि पात्र आवेदकों को निर्धारित अवधि के भीतर काम उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो राज्य सरकारें बेरोजगारी भत्ता देने के लिए बाध्य होंगी।
- **ग्राम पंचायत विकास योजना:** योजना ग्राम पंचायतों द्वारा तैयार की जाएगी और राष्ट्रीय स्थानिक योजना प्रणालियों के साथ एकीकृत की जाएगी।
- **संस्थागत निगरानी:** केंद्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद और राज्य ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषदों का गठन संबंधित क्षेत्रों में कानून के प्रावधानों की समीक्षा, निगरानी और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए किया जाएगा।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

डेनमार्क की नई प्रधानमंत्री: मेटे फ्रेडरिक्सन

[स्रोत: PIB और AIR]

चर्चा में क्यों?

- मेटे फ्रेडरिक्सन (सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी) ने डेनमार्क में मध्य-वामपंथी चार दलों के अल्पमत गठबंधन का नेतृत्व करते हुए लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद संभाला है।

मुख्य बिन्दु:

- **इस गठबंधन में सोशल डेमोक्रेट्स, सोशलिस्ट पीपुल्स पार्टी, रेडिकेल वेन्स्ट्रे और मॉडरेट्स शामिल हैं।**
- **नए मंत्रिमंडल ने में 21 मंत्रियों में से 11 महिलाएँ हैं, जो डेनमार्क के किसी भी मंत्रिमंडल में पहली बार महिलाओं का बहुमत दर्शाता है।**
- **वर्ष 2015 में 41 वर्ष की आयु में फ्रेडरिक्सन देश की सबसे युवा प्रधानमंत्री बनीं।**
- **उन्हें आम तौर पर एक मजबूत कल्याणकारी राज्य के समर्थक के रूप में जाना जाता है, जिसमें प्रमुख सार्वजनिक सेवाओं में सरकारी हस्तक्षेप और श्रम सुरक्षा शामिल हैं।**

विज्ञान प्रौद्योगिकी

कैंसर की नैनोमेडिसिन

[स्रोत: PIB]

चर्चा में क्यों?

- भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान, पुणे के अगरकर अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने स्तन कैंसर में लक्षित जीन थेरेपी के लिए एक नवीन जैव-अपघटनीय नैनोकैरियर प्लेटफॉर्म प्रस्तुत किया है।

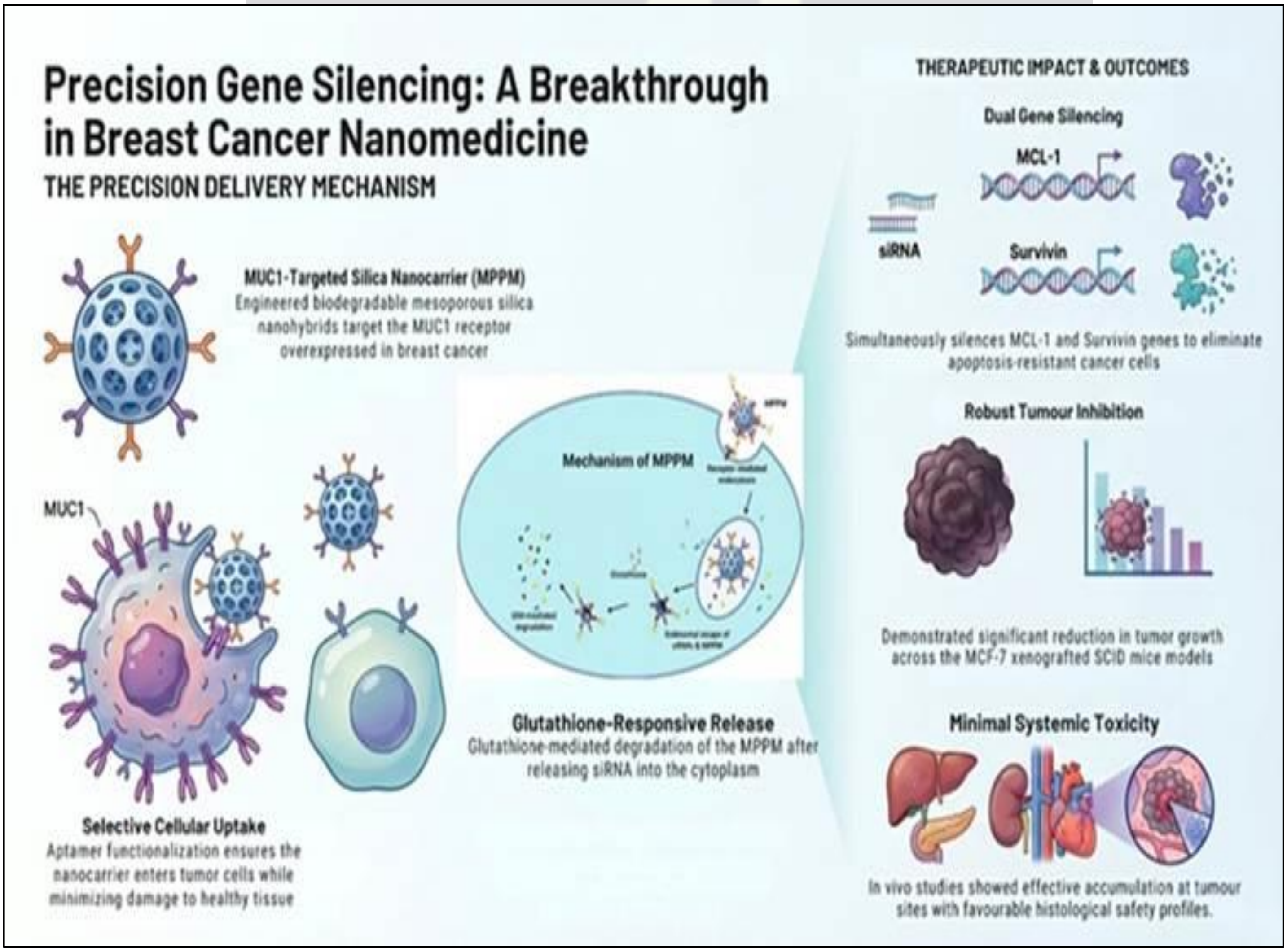

मुख्य बिन्दु:

- यह जीन साइलेंसिंग की एक ऐसी रणनीति है जो स्तन कैंसर में ट्यूमर को प्रभावी ढंग से नियंत्रित कर सकती है। यह अगली पीढ़ी की सटीक नैनोमेडिसिन के रूप में इसकी क्षमता प्रदर्शित करती है।
- **एडवांस्ड हेल्थकेयर मैटेरियल्स में प्रकाशित शोध:** स्तन कैंसर में प्रमुख जीवन रक्षा मार्गों के लक्षित जीन साइलेंसिंग में नई अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जिससे कुशल ट्यूमर लक्ष्यीकरण और दमन संभव होता है।
- **शोध दल:** नीलाद्री हलदर, राजकुमार सामंता, सुरजीत पात्रा, देवयानी सेंगर, सचिन जाधव और वीरेंद्र गजभिये की टीम द्वारा।
- **विशेषताएँ:**
  1. यह प्रणाली जैव-अपघटनीय मेसोपोरस सिलिका नैनोकणों पर आधारित है।
  2. यह अपनी उच्च लोडिंग क्षमता और ट्यूनेबल सतह रसायन के लिए जाने जाते हैं।
  3. यह छोटे इंटरफेयरिंग RNA (SI-RNA) अणुओं की कुशल डिलीवरी को सक्षम बनाते हैं।
  4. दोहरा जीन-साइलेंसिंग दृष्टिकोण जिसमें नैनोकैरियर एक साथ दो महत्त्वपूर्ण एंटी-एपोप्टोटिक जीन, एमसीएल-1 और सर्वाइविन के विरुद्ध SI-RNA पहुँचाता है।

शोध:

- अध्ययन में एप्टामर-निर्देशित जैव-अपघटनीय नैनोकैरियर विकसित किया गया।
- नैनोकैरियर का ग्लूटाथियोन-रिस्पॉन्सिव डिज़ाइन ट्यूमर के अंदर नियंत्रित दवा रिलीज सुनिश्चित करता है।
- MCF-7 स्तन कैंसर मॉडल में मजबूत जीन नॉकडाउन और एपोप्टोसिस में वृद्धि देखी गई, परिणामस्वरूप ट्यूमर की वृद्धि में महत्त्वपूर्ण कमी आई।
- अध्ययन में न्यूनतम प्रणालीगत विषाक्तता पाई गई।
- यह तकनीक लक्षित वितरण + नियंत्रित रिलीज (उत्तेजना-प्रतिक्रियाशील रिलीज) + संयोजनात्मक जीन साइलेंसिंग का सफल उदाहरण है।
- **महत्त्व:** शोध अगली पीढ़ी के RNA-आधारित कैंसर उपचार और सटीक ऑन्कोलॉजी के लिए महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213